लापरवाही — निर्माणाधीन फ्लाईओवर के कार्य में लगे प्रवासी मजदूर का हाइड्रा उतारते समय फंसा पैर सुरक्षा मापदंडों को ताक पर रखकर कार्य करा रहा ठेकेदार

रेलवे की गंभीर लापरवाही से हुआ दर्दनाक हादसा

नवभारत, धनपुरी। धनपुरी अमलाई मार्ग अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12 नगर पालिका परिषद धनपुरी की प्रशासनिक सीमा पर एसईसीआर के द्वारा निर्माणाधीन फ्लाईओवर एक बार पुनः सवालों के घेरे में है सुरक्षा नियमो को ताक पर रखकर लगातार निर्माण कार्य जारी है मजदूरों से कार्य कराते वक्त ठेकेदार के द्वारा किसी भी प्रकार से सुरक्षा से संबंधित उपकरणों का उपयोग नही कराया जाता लगातार चर्चाओं में रहने के बाद आज आखिर एक दर्दनाक हादसा देखने को मिल ही गया जिसमें गनीमत यह रही कि मजदूर की जान बच गई रेलवे के फ्लाईओवर निर्माण कार्य में लगे प्रवासी मजदूर मुकुंद कुमार पिता श्री मंतोश कुमार उम्र 24 वर्ष निवासी जिला बेगूसराय बिहार उस समय दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया जब उसके द्वारा बिना किसी सुरक्षा उपकरण को पहने हाइड्रा उतारा जा रहा था हाइड्रा उतारते समय अचानक से असंतुलित होकर उसका पैर हाइड्रा में फंस गया जिसकी वजह से वह हाइड्रा समेत नीचे गिर पड़ा भारी भरकम हाइड्रा के वजन की वजह से उसके दोनो पांव गंभीर रूप से जख्मी हो गए तुरंत ही उसे उपचार हेतु धनपुरी तीन नंबर स्थित केंद्रीय चिकित्सालय लाया गया जहां प्राथमिक उपचार उपरांत उसकी गंभीर अवस्था को देखते हुए उसे शहडोल स्थित निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया अभी भी मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस प्रतिक्रिया

इस विषय पर अमलाई थाना प्रभारी श्री भूपेंद्र मणि पांडे से उनका पक्ष जाना गया तो उन्होंने कहा की मौके पर पहुंचकर उसे इलाज के लिए नजदीकी केंद्रीय चिकित्सालय धनपुरी अस्पताल बाद में शहडोल रेफर करवा दिया गया था साथ ही आगे की कार्यवाही संबंधित तथ्यों साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर की जाएगी विवेचना जारी है।

हादसे की वजह सुरक्षा मापदंडों की अवहेलना

निर्माणाधीन फ्लाईओवर में कार्यरत प्रवासी मजदूर मुकुंद कुमार के साथ हुए दर्दनाक हादसे से रेलवे और संबधित सुपरविजन अधिकारी साथ ही ठेकेदार के ऊपर कई प्रकार के प्रश्न चिन्ह खड़े किए हैं सुरक्षा सर्वोच्च के आदर्श वाक्य को दरकिनार कर रेलवे के ठेकेदार ने बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के मजदूरों को कार्य पर लगाया हुआ है जिसका निजी खामियाजा आज मजदूर मुकुंद कुमार को भुगतना पड़ा साथ ही सवाल रेलवे के उस सुपरविजन अधिकारी की कार्यशैली पर भी खड़े होते हैं जिसकी उपस्थिति में यह बड़ी परियोजना जमीन पर उकेरी जा रही थी किंतु सुपरविजन अधिकारी लगातार अनुपस्थित रहकर अपने कार्यों से प्रथक होकर ठेकेदार को फ्री हैंड देकर सिर्फ खानापूर्ति करते हुए कागजों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर साइट से गायब रहते हैं गरीब असहाय मजदूर के साथ हुआ हादसा इस बात को अक्षरशः चरितार्थ करता है की संबंधित ठेकेदार को रेलवे सुपरविजन अधिकारी का अभयदान प्राप्त है जिसकी वजह से यह दर्दनाक हादसा रेलवे की नाक के नीचे घटित हुआ जिसकी चहुओर आलोचना हो रही है संपूर्ण क्षेत्रवासी पीड़ित मजदूर के साथ संबल बनकर खड़े होकर जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार पर कार्यवाही की मांग कर रहे हैं अब देखना यह होगा कि स्थानीय अमलाई पुलिस, साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे के द्वारा किस पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है

फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर हाईकोर्ट सख्त

- शिक्षक सहित अन्य को नोटिस, जवाब तलब

नवभारत,शहडोल। उच्च न्यायालय में दायर रिट पिटीशन क्रमांक 10347/2026 अजयधर द्विवेदी बनाम मध्यप्रदेश राज्य में एक महत्वपूर्ण और सख्त आदेश पारित करते हुए न्यायालय ने कथित फर्जी जनजाति प्रमाण पत्र के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी शिक्षक गुलबिया सारीवान को स्वयं उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मामले के अनुसार, गुलबिया सारीवान, जो वर्तमान में एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला जमुई (संकुल केन्द्र धुरवार) में पदस्थ हैं, पर आरोप है कि उन्होंने पनिका जनजाति का फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर शासकीय लाभ प्राप्त किया। शिकायतकर्ता अजयधर द्विवेदी ने इस संबंध में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक शहडोल, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग एवं अनुसूचित जनजाति छानबीन समिति भोपाल सहित संबंधित अधिकारियों को पूर्व में शिकायतें प्रस्तुत की थीं, लेकिन संतोषजनक कार्रवाई न होने पर मामला उच्च न्यायालय तक पहुंचा। उच्च न्यायालय ने प्रारंभिक सुनवाई में ही मामले को गंभीर मानते हुए गुलबिया सारीवान एवं अन्य संबंधित पक्षों के खिलाफ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। न्यायालय का यह कदम न केवल इस प्रकरण में बल्कि जिले में चल रहे ऐसे अन्य मामलों के लिए भी एक सख्त संदेश माना जा रहा है।

यह आदेश बना मिसाल

उच्च न्यायालय का यह हस्तक्षेप न केवल एक व्यक्तिगत प्रकरण तक सीमित है, बल्कि यह पूरे प्रदेश में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के खिलाफ चल रही लड़ाई में मील का पत्थर साबित हो सकता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि संबंधित विभाग इस पर कितनी तेजी और गंभीरता से कार्रवाई करते हैं।

आदिवासी हकों पर डाका, अब होगी सख्त कार्रवाई?

शहडोल जिले में लंबे समय से यह आरोप लगते रहे हैं कि बाहरी लोग फर्जी जनजाति प्रमाण पत्र बनवाकर आदिवासी वर्ग के अधिकारों और अवसरों पर कब्जा कर रहे हैं। ऐसे में उच्च न्यायालय का यह आदेश उन मूल आदिवासी परिवारों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है, जो वर्षों से अपने हकों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस मामले में निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई होती है, तो जिले में फर्जी प्रमाण पत्र के जरिए नौकरी और अन्य लाभ लेने वाले लोगों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

वार्ड ब्वॉय ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर की ठगी

- फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 15 युवाओं से लाखों रुपए ऐंठे

नवभारत, शहडोल। बेरोजगारी का फायदा उठाकर ठगी करने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले में एक शातिर आरोपी ने स्वास्थ्य विभाग में नौकरी दिलाने का लालच देकर करीब 15 बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपए ठग लिए। आरोपी ने खुद को प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए युवाओं को वार्ड बॉय के पद पर पक्की नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया और फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें सौंप दिए।

मामले के अनुसार, जिला मुख्यालय के समीप स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटासी में आउटसोर्स के तहत कार्यरत एक वार्ड बॉय ने शहडोल और उमरिया जिले के युवाओं को निशाना बनाया। आरोपी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) के नाम से फर्जी सील और हस्ताक्षर का उपयोग कर बाकायदा नियुक्ति पत्र जारी कर दिए। इन दस्तावेजों को असली समझकर युवाओं ने आरोपी को अलग-अलग किस्तों में करीब 6 से 7 लाख रुपए दे दिए।ठगी का खुलासा तब हुआ जब सभी युवक नियुक्ति पत्र लेकर संबंधित विभाग में ज्वाइनिंग के लिए पहुंचे। वहां अधिकारियों ने दस्तावेजों को फर्जी बताया, जिसके बाद पीड़ितों को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का एहसास हुआ। पीड़ित युवाओं ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की। शिकायत के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। डीएसपी मुख्यालय राजेंद्र मोहन दुबे ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी की तलाश जारी है। यह घटना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि बेरोजगारी की स्थिति में युवा किस तरह ठगी का शिकार हो रहे हैं। फ्लिहाल पुलिस की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं और पीड़ितों को न्याय मिलने की उम्मीद है।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया में सीपीआर का प्रशिक्षण रीजनल वर्कशॉप में दिया गया

नवभारत, धनपुरी। बीटीसी सोहागपुर क्षेत्र के द्वारा इन दोनोंआर आर आर टी बुढार के सहयोग से सीपीआर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और इसी कार्यक्रम में आज क्षेत्रीय कार्यशाला में इसका प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण देने के लिए रेस्क्यू स्टेशन से रेस्क्यू इंचार्ज सुरेश मीणा ब्रिगेड मेंबर अनिल चौधरी और वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर से सहायक प्रबंधक गोविंद सिंगल पहुंचे। सबसे पहले वर्कशॉप के इंजीनियर अजय द्विवेदी के द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया और उनका परिचय वर्कशॉप की टीम से कराया। वर्कशॉप में परंपरा अनुसार जैसे ही 9:15 हुआ वैसे ही सायरन बज और राष्ट्रगान प्रारंभ हुआ। राष्ट्रगान के उपरांत भारत माता की जय के उद्घोष के साथ

सुरक्षा शपथ वर्कशॉप के फोरमैन किशन लाल राठौर ने कराया। वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर से आए गोविंद सिंगला ने सीपीआर के संबंध में उपस्थित कामगारों को बताया और उसकी उपयोगिता को समझाया। ब्रिगेड मेंबर अनिल चौधरी ने सीपीआर करके लोगों को दिखाया और उसके उपरांत श्री गोविंद सिंगल ने कहा कि आप में से कोई एक व्यक्ति जो फर्स्ट एड में रहा हो,वह आकर सीपीआर करके दिखाएं। सीपीआर देने के लिए वर्कशॉप की रोशनी साहू जनरल असिस्टेंट ने सीपीआर देकर लोगों को दिखाया जिसे सभी लोगों ने सराहा और उसके उपरांत ठेकेदारी श्रमिक देवेंद्र विश्वकर्मा ने सीपीआर देकर लोगों को दिखाया। सीपीआर के संबंध में वर्कशॉप के इंजीनियर अजय द्विवेदी और वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर के सहायक प्रबंधक गोविंद सिंगल ने बिंदुवार सभी लोग को समझाया और कहा कि यह मानव जीवन बचाने के लिए बहुत ही कारगर उपाय है और सभी लोग को इसके बारे में जानना चाहिए और अभ्यास करना चाहिए। श्री द्विवेदी ने कहा वास्तविक जीवन में इसकी बहुत उपयोगिता है और यह लाइफ सेविंग है। कोई भी व्यक्ति को अगर कार्डियक संबंधी प्रॉब्लम आता है और अगर वह अचेत हो जाता है,और उसकी सांस थम जाती है ऐसे समय में सीपीआर देकर उसकी जान बचाई जा सकता है। रेस्क्यू इंचार्ज सुरेश मीणा ने सभी लोगों को सीपीआर के बारे में जानकारी दी और कहा कि आप लोग स्वयं अभ्यास करें और लोगों को भी प्रेरित करें कि इसके अभ्यास से कभी न कभी हम अपने जीवन में किसी न किसी की जान बचा सकते हैं और इससे बड़ा परोपकार कोई भी नहीं हो सकता है। कार्यक्रम के अंत में वर्कशॉप के अजय द्विवेदी ने सभी को धन्यवाद दिया, और कहा कि निश्चित रूप में यह सब चीजों से लोगों में एक नई चेतना जागृत होगी और लोग अपने आसपास के लोगों को भी प्रशिक्षित करेंगे। श्री अजय द्विवेदी ने गोविंद सिंगल सहायक प्रबंधक वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी मुहिम निश्चित रूप में रंग लाएगी और सोहागपुर क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा लोग प्रशिक्षित होंगे।

धनबाद-एलटीटी एक्सप्रेस का नियमित संचालन प्रारंभ

- सीधी सांसद ने भारतीय रेल और जबलपुर मंडल का जताया आभार

नवभारत, शहडोल। जबलपुर रेल मंडल के अंतर्गत ब्यौहारी रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को गाड़ी संख्या 13379/80 धनबाद-एलटीटी मुंबई एक्सप्रेस को नियमित सेवा के रूप में प्रारंभ किया गया। जो क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद, सीधी डॉ. राजेश मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक, ब्यौहारी शरद जुगलाल कोल उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीनियर डीसीएम शशांक गुप्ता एवं एडीईएन रतनलाल मीना सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। इस ट्रेन के नियमित संचालन से ब्यौहारी क्षेत्र को मुंबई (एलटीटी) एवं धनबाद जैसे प्रमुख शहरों से सीधा रेल संपर्क प्राप्त हुआ है, जिससे क्षेत्र में आवागमन, व्यापार, शिक्षा एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

ये होंगे स्टॉपेज

यह गाड़ी दोनों दिशाओं में जबलपुर रेल मंडल के बरगवां, ब्यौहारी,कटनी साउथ, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया जैसे स्टेशनों पर रुककर गंतव्य को ओर जाएगी। इस गाड़ी में कुल 22 कोच होंगे जिसमे एसी, स्लीपर, जनरल एवं दिव्यांगजन कोच सहित अन्य कोच शामिल है।कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता ने स्वागत भाषण में सभी प्रतिनिधियों, अतिथिगण एवं उपस्थित सभी सम्मानित नागरिकों का जबलपुर रेल मंडल की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जबलपुर रेल मंडल सदैव यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

समग्र विकास का माध्यम है ट्रेन : सांसद डॉ. मिश्र

सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का यह दिन ब्यौहारी एवं आसपास के क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा इस ट्रेन की मांग की जा रही थी, जो आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन केवल एक परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास का माध्यम है। इसके माध्यम से क्षेत्र के लोगों को मुंबई जैसे महानगर एवं धनबाद जैसे औद्योगिक शहरों से सीधा संपर्क मिलेगा, जिससे व्यापार, रोजगार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी।

जल के संरक्षण का संकल्प, सुरक्षित जीवन होगा कल

- 250 जल सरंचनाओ का जीर्णोद्वार एवं 350 वॉटर हार्वेस्टिंग पूर्ण

नवभारत, शहडोल। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में जल के संरक्षण, संवर्धन एवं जल के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के उददेश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलाया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति के निर्देशानुसार शहडोल जिले के समस्त ग्राम पंचायतो एवं नगरीय निकायो में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा के जल के संचयन हेतु पुराने तालाबो की साफ-सफाई, जल स्त्रोतो के जीर्णोद्वार के कार्य, शोक पिट निर्माण, वाटर हार्वेस्टिग के कार्य जैसे अन्य कार्य किये जा रहे है जिसके सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो रहे है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनमानस को प्रकृति की अमूल्य उपहार जल के प्रति जागरूक करने एवं जल की एक-एक बूंद को बचाने हेतु दीवार लेखन, जल जागरूकता रैली, कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही है। जल ही जीवन है यह केवल एक वाक्य नही, बल्कि हमारी पृथ्वी का आधार है। हर बूंद हमारे अस्तित्व से जुडी है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू सुधीर दिनकर ने जानकारी दी है कि जनपद पंचायत गोहपारू के अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन-प्रतिनिधियो, अधिकारियो, समाजसेवियो, स्वयंसेवी संगठनो के सदस्यो एवं जन सहयोग से अभी तक 150 बोरी बंधान का कार्य किया गया है। इसी प्रकार शासकीय भवनो में 350 रैन वाटर हारर्वेस्टिग, 1000 शोकपिट निर्माण, 250 जल स्त्रोतो का जीर्णोद्वार एवं 5000 से ज्यादा कन्टूर ट्रेंच के कार्य किये गए है।

मांग — संभाग बनने के बाद बढ़ा दबाव, दो पाली में संचालन से मिल सकती है राहत

दो शिफ्ट में संचालित हो संभागीय मुख्यालय का केन्द्रीय विद्यालय

सुनील मिश्र

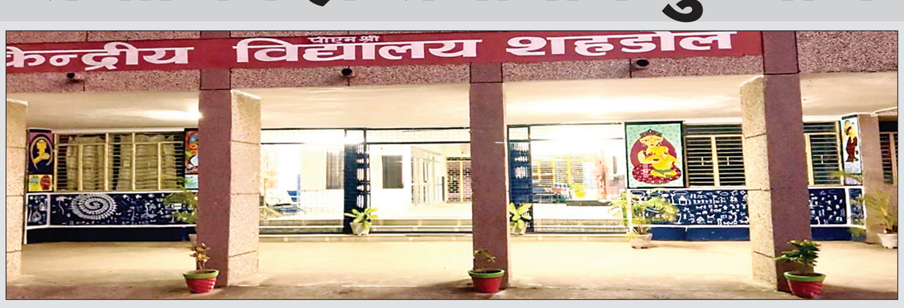

नवभारत,शहडोल। लगभग तीन दशक पहले जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना उस समय की गई थी, जब शहडोल मुख्यालय की आबादी महज 40 से 50 हजार के बीच थी। समय के साथ परिस्थितियां बदलीं और वर्ष 2008 में शहडोल को संभाग का दर्जा मिलने के बाद यहां जनसंख्या में लगातार वृद्धि हुई, जो वर्तमान में करीब डेढ़ लाख तक पहुंच चुकी है। इसके साथ ही केंद्रीय एवं राज्य शासन के अधिकारियों-कर्मचारियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है, जिससे केंद्रीय विद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

हालांकि, बढ़ती मांग के विपरीत विद्यालय में सीटों की संख्या पहले की तुलना में कम हो गई है। ऐसे में बड़ी संख्या में अभिभावकों को अपने बच्चों के प्रवेश के लिए निराश होना पड़ रहा है। सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाला यह विद्यालय आज भी जिले के लोगों की पहली पसंद बना हुआ है, लेकिन सीमित सीटें इसकी पहुंच को सीमित कर रही हैं।

दो शिफ्ट में संचालन से मिल सकती है राहत

शिक्षा से जुड़े जानकारों का मानना है कि वर्तमान में कल्याणपुर में संचालित केंद्रीय विद्यालय को दो शिफ्ट में चलाकर इस समस्या का व्यावहारिक समाधान निकाला जा सकता है। प्रस्ताव के अनुसार पहली शिफ्ट सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित की जा सकती है।विद्यालय परिसर में पर्याप्त भवन, कक्षाएं और खेल मैदान जैसी मूलभूत सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं, जिससे अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा खर्च किए बिना ही अधिक विद्यार्थियों को समायोजित किया जा सकता है। यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो स्थानीय छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत मिल सकती है।

क्या कहते हैं नियम

केंद्रीय विद्यालय संगठन (केव्हीएस) के तहत किसी विद्यालय को दो शिफ्ट में संचालित करने के लिए विशेष परिस्थितियों में अनुमति दी जाती है। आमतौर पर यह व्यवस्था उन्हीं स्थानों पर लागू की जाती है, जहां विद्यार्थियों की संख्या निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक हो, नए विद्यालय के लिए भूमि या भवन की उपलब्धता में समय लग रहा हो, शहरी या घनी आबादी वाले क्षेत्रों में तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था आवश्यक हो, इसके लिए मानव संसाधन, समय सारणी, सुरक्षा और प्रशासनिक प्रबंधन की स्पष्ट योजना बनानी होती है।

स्थायी समाधान की भी जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि दो शिफ्ट व्यवस्था एक अस्थायी समाधान हो सकती है, लेकिन बढ़ती आबादी को देखते हुए शहडोल में एक नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना ही दीर्घकालिक और स्थायी विकल्प होगा। जब तक नया विद्यालय शुरू नहीं होता, तब तक दो पाली में संचालन जैसी व्यवस्था से स्थानीय नागरिकों को कुछ हद तक राहत मिल सकती है। अब देखना यह होगा कि शासन और केंद्रीय विद्यालय संगठन इस दिशा में क्या कदम उठाते हैं।

दो शिफ्ट संचालन की प्रमुख चुनौतियां

दो पाली में विद्यालय चलाना जितना आसान दिखता है, उतना व्यवहार में नहीं है। इसके सामने कई व्यावहारिक समस्याएं भी आती हैं।दोनों शिफ्ट के लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षकों और स्टाफकी जरूरत होगी। विद्यार्थियों को पर्याप्त समय और ध्यान देना चुनौती बन सकता है।दो अलग-अलग समय पर विद्यालय संचालन के लिए प्रबंधन, अनुशासन और निगरानी की अलग व्यवस्था बनानी पड़ेगी।सुबह 6 बजे से कक्षाएं शुरू होने और शाम तक संचालन रहने से छोटे बच्चों की सुरक्षा और आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी होगा।खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों के लिए समय सीमित हो सकता है, जिससे विद्यार्थियों के समग्र विकास पर असर पड़ सकता है।

मप्र शिक्षक संघ गोहपारू के कोषाध्यक्ष को मातृ शोक

नवभारत, गोहपारू। म प्र शिक्षक संघ ब्लाक गोहपारू जिला शहडोल के वर्तमान कोषाध्यक्ष श्री बद्री विशाल द्विवेदी के माता जी श्री मती शिवराज कुमारी द्विवेदी का निधन दिनांक 07/04/2026को सुबह 10 गृह ग्राम रामपुर गोहपारू में हो गया , जिनकी उम्र लगभग 80वर्ष की रही । ज्ञात हो कि मृतिका, स्व मनोकामना प्रसाद द्विवेदी वनपाल की धर्मपत्नी थी । जिनके दो लड़के अरुण कुमार द्विवेदी एवं बद्रीविशाल द्विवेदी हैं । मृतात्मा का अग्नि संस्कार बड़े पुत्र अरुण कुमार द्विवेदी द्वारा रामपुर में ही किया गया। म प्र शिक्षक संघ गोहपारू के संरक्षक महेश प्रसाद द्विवेदी सहित पूरी ब्लाक एवं तहसील ईकाई गोहपारू द्वारा दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से उनके आत्मा शांति प्रदान करने की प्रार्थना की गई है।